

लाल गिरजा के संग, चले आत हैं
साथ खुशी लेत आत हैं ॥२॥

जे हैं गिरजा जी के तारे
तीनई लोक के उजारे
इनने सब भक्तों ओं तारे
गोदी गिरजा की इनखों सुआत हैं
साथ खुशी..... लाल गिरजा.....

सुन्दर एक दाँत है लागे
दर्शन से दुख दूर जो भागे
सबके भाग आज हैं जागे
रिद्धि-सिद्धि भी पंखा डुलात हैं
साथ खुशी..... लाल गिरजा.....

करते मूषा की सवारी
होदी है पर बड़ी न्यारी
इनखों जाई लगी है ध्यारी
बैठक ऐसी कि लुढ़क नहीं पात हैं
साथ खुशी..... लाल गिरजा.....

जे हैं रिद्धि-सिद्धि के दाता
 इनके गुण खों, जो कोई गाता
 बुद्धि तुरतई इनसे पाता
 इन्हें कपटी तनक नहीं भात हैं

साथ खुशी-----लाल गिरजा-----

होठो सिर हैं, पेट हैं भारी
 कर रयें खावे की तैयारी
 इनखों भूख लगी हैं भारी
 लड़ुआ खावे खों सृंड जे हिलात हैं

साथ खुशी-----लाल गिरजा---

सुन लो विनती यही हमारी
 दुनियाँ चरणों पे बलहारी
 जोड़ें हाथ सभी नर-नारी
 लुमरे दास "श्रीबाबा श्री" गुनगात हैं

साथ खुशी-----लाल गिरजा-----